# Michaette of India

प्रमुख्कार से प्रकाशित PUBLIS₩ED-8Y AUTHORLTY

437

**vio** 14] No. 14] नई विस्ती, शनिवाः, अप्रैल र 1975 (वैसं 15, 1897) 5 NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 5, 1975 (CHAITRA 15, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्क की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to jinja Pada in order that it may be filed as a Separate compilation)

# भाग III-खण्ड 1

# PART III—SECTION 1

जन्म भ्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत ग्ररकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 मार्च 1975

मं० ए० 12019/6/74-प्रशा० II—संघ लोक सेवा म्रायोग की समसंख्यक म्रधिसूचना दिनांक 11-12-74 के म्रनुक्रम में मध्यक्ष, संघ लोक सेवा म्रायोग एतद्द्वारा संघ लोक सेवा प्रायोग में के० स० स्टे० सेवा संवर्ग के स्थायी वयन ग्रेष्ठ म्रधिकारी तथा भ्रायोग के कार्यालय में के० स० स्टे० सेवा संवर्ग से प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न मनुभाग म्रधिकारी श्री बी० एम० जैन को 1-3-75 से ्र मासकी मतिरिक्त की कि मिए भ्रथवा पद के नियमित जार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, मध्यक्ष के विशेष सहायक के पद पर तदर्थ माधार के स्थानापन्न ज्य से कार्य करने, के लिए नियुक्त करते, हैं।

श्री बी॰ एस॰ जैन, ग्रेझ्यभ, े सेवा भ्रायोग के विशेष जल के संबर्ग वाह्य पद पर् श्रीति पर रहेंगे श्रीर उनका वेतन समय समय पर यथा संशोधित वि सं॰ एफ॰ 10(24)-ई॰ III दिनांक 4 961 में निहित उपबंधों के श्रनुसार विनियमित होगा।

पी**डिट** मेखर्जी,

न <sup>\*</sup> दिल्ली-110011, दिनांक 27 फरवरी, 1975

मं० ए० 32013/1/75-प्रशासन I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सिववालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री के० एस० कक्कड़ ने $\mathbb{R}$  जिन्हें इस कार्यालय की अधिस्थना सं० 32013/1/75-प्रशासन I, दिनाक 7-2-1975 डारा उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 15 फरवरी, 1975 के अपराह्म से भवर सिवव, संघ लोक सेवा आयोग के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री कें एस क्राक्कड़ ने 15 फरवरी, 1975 के अपराह्म से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग सिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए० 32013/1/75-प्रशा० I— संघ लोक सेवा प्रायोग में केन्द्रीय सिंघवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री बी० आर० वर्मा ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधि-सूचना सं० ए० 32013/1/75-प्रशा० I दिनोक 22 फरवरी 1975 डारा उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 15 फरवरी 1975 के अपराह्म से संघ लोक सेवा भायोग में भवर सिवव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रस्थावर्तन के बाद श्री बी० आर० क्वर्ता ने 15 फरवरी, 1975 के अपराह्म से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया । दिनाक, 31 जनवरी 1975

स० ए० 38014/2/74-प्रणा-III—स्थायी सहायक तथा सब लोक सेवा आयोग के के० स० मे० सवर्ग में स्थानापन्न अनुभाग अधि-कारी श्री कर्तार सिंह दत्ता को राष्ट्रपति द्वारा, कार्मिक विभाग के का० भा० सं० 33/12/73-स्था० (ए०) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 के अपने सचिवालय निवृत्ति की आयु को प्राप्त होने पर 31 जनवरी, 1975 के अपराह्म से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

# दिनाक 1 मार्च 1975

स० ए० 32013/1/75-प्रशा० I—केन्द्रीय सिचियालय सेवा के ग्रेड I के स्थायी ग्रिश्वकारी श्री जे० बी० गुप्ता को राष्ट्रपित हारा  $11-2\cdot1975$  से  $10-4\cdot1975$  तक (दोनो दिनो सिह्तू), 2 महीने की श्रितिरिक्त अवधि के लिए या श्रागामी श्रावेश तक दोनो में जो पहले हो उक्त सेवा के चयन ग्रेड में स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 10 मार्च 1975 शिद्धि पत्र

स० ए० 12025 (॥)/1/72 प्रणा० III- च्इस कार्यालय की समसख्यक ग्रिधसूचना दिनाक 24 फरवरी, 1975 की सातवी पिक्त में प्रकाशित "ग्रपराह्न" शब्द के स्थान पर "पूर्वाह्न" पढा जाए।

पी० एन० मुखर्जा, श्रवर सचिव, (प्रशासन प्रभारी) सघ लोक सेवा आयोग

मित्रमङल सचिवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

> केन्द्रीय भ्रान्वेषण ब्यूरो दिनाक मार्च 1975

स० ए०-19021/3/75-प्रणासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री बी० पी० भटनागर, भारतीय पुलिस सेवा (राजस्थान-1963-ग्रार० श्रार०) को दिनाक 12 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से भगले श्रादेश तक के लिए केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना मे पुलिस श्रधीक्षक नियुक्त करते हैं।

> गुलजारी लाल श्रग्नवाल, प्रणासन श्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी

प्रवर्तन निदेशालय नई दिल्ली-1 दिनाक 8 जनवरी 1975

स० ए०-11/59/74--श्री डी० डी० शर्मा, निरीक्षक, आयक्र, श्रमृतसर को प्रवर्तन निदेशालय के जालधर उप-क्षेत्रीय कार्यालय में दिनाक 20-12-74 (पूर्वाह्म) से ग्रगले ग्रादेशों तक के लिए शक्तन ग्रधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

> दिनांक 17 जनवरी 1975 नि**गुन्ति**

दिनाक 4 फरवरी 1975

स० ए०-11/1/75--श्री भार० के० गर्ग, निरीक्षक, भायर र, नई दिल्ली को प्रवर्तन निदेशालय के विल्ली क्षेत्रीय कार्यालय मे दिनाक 28-1-75 (पूर्वाह्म) से भ्रगले भ्रादेशो तक के लिए प्रवर्तन भिकारी के रूप मे नियुक्त किया जाता है।

> ह०/-नृपेन बक्षी, उप-निदेशक,

गृह मस्रालय

कार्यालय, भारत के महापजीकार

नई दिल्ली-110011 दिनाक 1975

स० 5/29/71-मार० जी० (ए० डी० I)—विदेश महालय के भ्राई० टी० ई० सी० कार्यत्रम के अन्तर्गत श्रफगानिस्तान सरकार के डेमोग्राफी विशेषक के पद पर प्रतिनियुक्ति के चयन के फलस्वरूप श्री श्रार० डी० श्रफ्रवाल भारत के महापजीकार के कार्यालय में विरिष्ट शोध श्रधिकारी के पद भार को दिनाय 20 फरवरी, 1975 के श्रपराह्म से सीप दिया।

स० 11/3/7 र्न्ग्० डी० रि--राष्ट्रपति, श्री पी० एस० टण्डन, जनगणना वार्य जप-मिर्दणक, उत्तर प्रदेश की सेवाए, दिनाक 5 फरवरी 1975 पूर्वाह्म से उत्तर प्रदेण संस्कार के श्रधीन, सहर्षे प्रतिस्थापित करने हैं।

राष्ट्रपति श्री की० एव० भाट, जनगम्भ काय सह-निदेशक, महाराष्ट्र की ने भए भी, दिनाक 0 जनुसरी 1975 पूर्वाह से महाराष्ट्र सरकार की भधीन, करों हैं। अक

स० पी श्री क्या कि प्राप्त के प्राप्त करते हैं।

बद्री नाथ उप-महा पजीकार एव पदेन उप-सधिव, प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 1/2, नई दिल्ली-1 दिनाक 14 मार्च 1975

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० श्रार० III/ सितम्बर-1/389(7)/74-75/8099——यत·, मुझे डी०बी० लाल आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार म्ल्य भ्रीर जिसकी स० 7, (ग्रकित भाग ई०एफ०जी०एच०) है, जो पथ्वीराज रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपा-बद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 3-9-1974 के उचित सम्पत्ति पूर्वोक्त बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियो को, जिन्हे भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 सा 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्पक्तियों, अर्थात्:---

1.मै ० कलैरिजिज होटल (प्रा०) लि०, 12, ग्रीरंगजे व रोड़, नई दिल्ली द्वारा श्री महादेव प्रसाद, सुपुत्र स्व० श्री गोकल चन्द, 21-ए०, भ्रौरगजेब रोष्ट, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

स्काईवेज प्रापरटीज (प्रा०) लि०, सी-96, साऊथ ा पार्ट-II, नई दिल्ली-1 द्वारा श्री राजेन्द्रा प्रसाद जैन, सी-96, साऊथ एक्सटेक्शन, पार्ट-II, नई विल्ली । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी अरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतव्हारा कार्यवाहिया शुरू करता ह।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पट्टीकरण .- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

प्लाट न० 20 इलाक न० 1, जिसका नया नं० 7, पृथ्वीराज रोड़, (राबेन्डन रोड की तरफ) नई दिल्ली का भाग (श्रंकित भाग ई० एफ०जी०एच०) श्रीर जिसका क्षेत्रफल 2429 59 वर्ग गज (128'-7}" × 170') है भीर जो कुल प्लाट जिसका क्षेत्रफल 4859 17 वर्ग गज है का हिस्सा है। यह भाग निम्न प्रकार से घिरा है:---

उत्तर-पूर्व ः भूमि का भ्रंकित भाग 'सी०' स्रौर 'डी०' : प्लाट नं० 9 पृथ्वीराज रोड़ जो ग्रब दक्षिण-पश्चिम

44-ए०, राबेन्डन रोड से पहचाना

जाता है।

: राजस्थान सरकार की भूमि से। उत्तर-पश्चिम

दक्षिण-पूर्व : राटेन्डन रोड से।

> डी० बी० लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 14-3-1975

प्ररूप आई० टी० एन॰ एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-भ (1) के प्रधीन सूभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजॉन रेंज 1/2, दिल्ली-1 4/14ए०, श्रासफ ग्रली रोड़, नई दिल्ली। दिनांक 14 मार्च 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर० III/ सितम्बर-1/387(5)/74-75/9001—यतः, मुझे, डी० बी० लक्कल श्रायकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के धारीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का वारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० 7, (अंकित भाग 'सी०') है, जो पृथ्वीराज रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूत्ती में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप में से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. मैं० कलैरिजज होटल (प्रा०) लि०, 12, भौरंगजेंब रोड़, नई विल्ली द्वारा श्री महादेव प्रसाद, सुपुत्त स्व० श्री गोकल चन्द, 21-ए०, श्रौरंगजेंब रोड़, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री नेमी चन्द जैन, सुपुत्न श्री कुन्दन लाल जैन, नियासी ए०-2/25, सफदरजंग एनक्लैंब, नई दिल्ली-16। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई हो, के-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में मे किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त मन्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

प्लाट नं० 20, ब्लाक नं०- 1, जिसका नया नं० 7, पृथ्वीराज रोड़ (राटेन्डन रोड़ की तरफ) नई दिल्ली का भाग (श्रंकित भाग सी०) और जिसका क्षेत्रफल लगभग 574.93 वर्ग गज है  $(60'=10\ 1/2''\times85')$  है और जो कुल प्लाट जिसका क्षेत्रफल 4859.17 वर्ग गज है का हिस्सा है। यह भाग निम्न प्रकार से घरा है:—

उत्तर-पूर्व : भूमि का ग्रंकित भाग 'ए०' दक्षिण-पश्चिम : भूमि का ग्रंकित भाग 'ई०' उत्तर-पश्चिम : भूमि का ग्रंकित भाग 'डी०' दक्षिण-पूर्व : राटेन्डन रोड़ से ।

> डी० बी० लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर त्रायुक्त (निरीक्षण) त्र्यर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 14-3-1975

मोइर:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजंन रेंज 1/2, दिल्ली-1

दिनांक 14 मार्च 1975

निर्देश सं अग्रई ०ए०सी ० / एक्यु ० / 1 / एस० श्रार० III / सितम्बर1 / 398 (17) | 74-75 / 9003— यत:, मुझे, डी० बी० लाल, आयकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / - क० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 7, (श्रंकित भाग 'डी०') है, जो पृथ्वीराज रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 9-9-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रीर श्रन्तरिक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण स हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधिनियम के श्रधीन करदेने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी थाय या निसी धन या ध्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए

धतः, धन, उक्त ध्राधिनयम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ध्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, ध्रधीत् :—

 मै० कलैरिजज होटल (प्रा०) लि०, 12, भ्रौरंगजेब रोइ, नई दिल्ली द्वारा श्री महादेव प्रसाद, सुपुन्न स्व० श्री गोकल चन्द, 21-ए०, श्रौरंगजेव रोइ, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री महेन्द्रा प्रसाद जैन, सुपुक्ष स्व० श्री महाराज प्रसाद जैन, निवासी डालिमिया नगर, बिहार । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करसा हुं।

उन्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपम्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारी खासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलवा किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ज्हसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है अही अर्थ होगा, जो उसअध्याय में दिया गया है ।

# अमुसुची

प्लाट नं० 20, ब्लाक नं० I, जिसका नया नं० 7, पृथ्वीराज रोड़ (राटेन्डन रोड की तरफ) नई दिल्ली का भाग (श्रंकित भाग डी) श्रौर जिसका क्षेत्रफल लगभग 574.93 वर्ग गज है  $(60'\pm10~1/2''\times85')$  है श्रौर जो कुल प्लाट जिसका क्षेत्रफल 4859.17 वर्ग गज है का हिस्सा है। यह भाग निम्न प्रकार से घिरा है:——

उत्तर-पूर्व : भूमि का श्रंकित भाग 'बी०' दक्षिण-पश्चिम : भूमि का श्रंकित भाग 'एफ०' उत्तर-पश्चिम : राजस्थान सरकार की भूमि से दक्षिण-पूर्व : भूमि का श्रंकित भाग 'सी०'

> डी० बी० लाल सक्षम प्राधिका**री** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅज-१, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 14-3-1975

मोहर

प्रकप धाई० टी० एन० एस०-

षायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1 4/14ए०, श्रासफ श्रली रोड़, नई दिल्ली। दिनांक 14 मार्च 1975

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० प्रार० III/
सितम्बर-1/388(6)/74-75/9005—यतः, मुझे, डी० बी०
लाल श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसने पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित शाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है श्रौर
जिसकी सं० 7, (श्रंकित भाग 'वी०') है, जो पृथ्वीराज
रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908
का 16) के श्रधीन 3-9-1974

सम्पक्ति के को पर्वोक्त उचित बाजार मृल्य से कम के **क्ष्यमा**न प्रतिफल लिए भन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भक्षिक है और अन्तरक (मन्तरकों) और भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः मब, उक्त अधिनियम घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ।——  मैं० कर्लरिजिज होटल (प्रा०) लि०, 12, ग्रौरंगजेब रोड़, नई दिल्ली द्वारा श्री महादेव प्रसाद, सुपुत स्व० श्री गोकल चन्द, 21-ए०, ग्रौरंगजेब रोड़, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती पदमा रानी जैन, पत्नि श्री राजेन्द्रा प्रसाद जैन, निवासी सी०-96, साउथ एक्सटेन्शन पार्ट-II, नर्ह दिल्ली-49 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45-दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं० 20, ब्लाक नं० I, जिसका नया नं० 7, पृथ्वीराज रोड़ (राटेन्डन रोड़ की तरफ) नई दिल्ली का भाग (अंकित भाग बी०) श्रौर जिसका क्षेत्रफल लगभग 639.86 वर्ग गज (67'-9" $\times$ 85') है श्रौर जो कुल प्लाट जिसका क्षेत्रफल 4859.17 वर्ग गज है का हिस्सा है। यह भाग निम्न प्रकार से घरा है:—

उत्तर-पूर्व : प्लाट नं० 5 से पृथ्वीराज रोड़ दक्षिण-पश्चिम : भूमि का झंकित भाग 'डी०' उत्तर-पश्चिम : राजस्थान सरकार की भूमि से दक्षिण-पूर्व : भूमि का श्रंकित भाग 'ए०'

हीं बीं लाल दिनोंक 14-3-1975 सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मोहर: श्राजुंन रेंज-1/2 दिल्ली, नई दिल्ली-1 प्ररूप आई० टी० एन० एस०----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1 4/14-ए०, श्रासफ श्रली रोड, नई दिल्ली। दिनांक 14 मार्च 1975

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यु०/1/एस०भ्राल० III/ 'सितम्बर-1/397(16)/74-75/9007—यतः, मुझ, डी० बी० लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- रुपए से न्नौर जिसकी सं० ७ (ग्रंकित भाग 'ए०') है, जो पृथ्वीराज रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतिय रजिस्दीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 9-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान अतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) कं बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से विश्वित नही र्धकया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1.) के अधीन निम्मसिखित व्यक्तियों, अर्थान्:---

1. म० कलैरिजिज होटल (प्रा०) लि०, 12, श्रीरंगजेब रोड नई दिल्ली। द्वारा श्री महादेव प्रसाद, सुपुत्र स्व० श्री गोकल चन्द, 21-ए०, श्रीरंगजेब रोड नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री अजिश्वर प्रसाद जैन, सुपुत्र स्व० श्री महाराज प्रमाद जैन, निवामी डालमिया नगर, बिहार। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं० 20 ब्लाक नं० I, जिसका नया नं० 7, पृथ्वीराज रोड़ (राटन्डन रोड की तरफ) नई दिल्ली का भाग (ग्रंकित भाग 'ए०') ग्रीर जिसका क्षेत्रफल लगभग 639.86 वर्ग गज (67'  $9'' \times 85'$ ) है ग्रीर जो कुल प्लाट जिसका क्षेत्रफल 4859.17 वर्ग गज है का हिस्सा है। यह भाग निम्न प्रकार से घरा है:—

उत्तर-पूर्व : प्लाट न० 5 से पृथ्वीराज रोड दक्षिण-पश्चिम : भूमि का ग्रंकित भाग 'सी०' उत्तर-पश्चिम : भूमि का ग्रंकित भाग 'बी०'

दक्षिण-पूर्व : राटेन्डन रोड से

डी० बी० लाल दिनांक: 14-3-1975 सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मोहर: श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1 प्रकप आई• टी॰ एन॰ एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज 1/2, दिल्ली-1 4/14-ए०, ग्रासफ ग्रली रोड, नई दिल्ली। नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1975

निर्देश सं० धाई०ए०सी०/एक्यु०/11/74-75/811/9030---यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते धायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ध्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूख्य 25,000/- रू० से श्रधिक है और जिसकी सं० डी०-8, है, जो राजोरी गार्डन नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 5-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रकार के लगा रजिस्ट्रीकर विलेख के अनुसार अन्तर्पत

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से युक्त अन्तरण कि बिक्त में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अम्तरक के दायिस्व में कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ण अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों, ग्रचीं :---

- श्री ग्रसरजीत सिंह, सुपुत्र श्री संत सिंह, निवासी एच०-67, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती विश्वला रानी, पत्ती श्री भोपाल सिंह जैन, निवासी 225, लालपुरा इटावा (यू०पी०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी के 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

1/4 स्रविभाजित भाग जायदाद का जिसका प्लाट नं॰ डी०-8 तथा क्षेत्रफल 1960 वर्ग गज का 1/4 है जो कि 490 वर्ग गज है । यह राजोरी गार्डन नामक कालौनी से जाना जाता है। तथा इसकी सीमाएं निम्न प्रकार से हैं:—

उत्तर : सहायक सडक

दक्षिण : सड़क

पूर्व : प्लाट नं० 9 पर मकान पश्चिम : प्लाट नं० 7 पर मकान

> सी० बी० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांकः 13 मार्च, 1975

मोहर 🛭

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के श्रधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजीन रेंज 1/2, दिल्ली-1
4/14-ए०, भ्रासफ भ्रली रोड, नई दिल्ली।
नई दिल्ली दिनांक 13 मार्च 1975

निर्देश सं० प्राई०ए०सी०/एक्यु०/11/74-75/810/9028-यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रु०से प्रधिक है और जिसकी स० डी०-8 है, जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्रा प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 5-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिगत ग्रधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर ग्रन्तरिती
(ग्रन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे ग्रन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में यास्तिवक रूप से
कियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या म्रन्य म्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय म्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ म्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में छिपाने के लिए सुकर बनाना

मतः मब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम,1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपभारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित अवितयों, भर्यात्:—

2--6GI/75

1. श्री करतार सिंह, सुपुत्र श्री संत सिंह, निवासी एच०-67, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)

2. श्री भोपाल सिंह जैन, सुपुत्र श्री मुस्तियार सिंह जैन, निवासी 225, लालपुरा, इटावा (यू॰ पी॰)। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>प्रर्जन के</mark> लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू कस्ता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यवित द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क मे यथापरिभाषित हैं, वही प्रथं होगा, जो उम ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

1/4 स्रविभाजित भाग जायदाद का जिसका प्लाट नं० डी०-8 तथा क्षेत्रफल 1960 वर्ग गज का 1/4 है जो कि 498 वर्ग गज है। यह राजौरी गार्डन नामक कालौनी से जाना जाता है। तथा इसके सीमाएं निम्न प्रकार से हैं:—

उत्तर : सहायक सड़क।

दक्षिण : सड़क।

पूर्व : प्लाट नं० 9 पर मकान। पश्चिम : प्लाट नं० 7 पर मकान।

> सी० बी० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी

विनांक 13 मार्च, 1975 सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मोहर: श्रर्जन रेज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1 प्ररूप आई० टी० एन० एम०-

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 रा 43) **की** धारा' 269-ध (1) के अधीन गूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज 1/2, दिल्ली-1
4/14-ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली दिनांक 13 मार्च 1975
निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्पु०/11/74-75/809/
9025—यत:, मुझे, सी० वी० गुप्ते
प्रायकर अधिनयम, 1961 (1961 वा 43)
(जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उदत अधिनयम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन मध्यम आधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित राजार पुल्य 25,000/- भाये से अधिक है
और जिसकी सं० चे०-४ है, जी राजौरी गार्डन, नई दिल्ली
में स्थित है (और उपसे उपायड अनुसूची में पूर्ण रूप में
विणत है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 5-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण करण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन पर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए ।

ग्रतः, ग्रब उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1)के ग्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रर्यात् :—

- 1. श्री हरी सिंह, सुपुत्र श्री संत सिंह, नियासी एच०-67, राजौरी गाउंन, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सिंगारी देवी, पत्ती श्री मुस्तियार सिंह, निवासी 225, लालपुरा, इटावा (यू० पी०) (श्रन्तरिती) को यह भूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध म कोई भी आक्षप, :-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) तम सूचना के पाजपल में प्रशासन की तारीख़ में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सर्वेंगे।

म्पच्टीकरण:--इसमें असुनत शब्दो और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

1/4 श्रविभाजित भाग जायदाव का जिसका प्लाट नं कि की -8 तथा क्षेत्रफल 1960 वर्ग गज का 1/4 है जो कि 490 वर्ग गज है। यह राजौरी गार्डन नामक कालौनी से जाना जाता है। तथा इसकी सीमाएं निम्न प्रकार से हैं:—

उत्तर : सहायक सड़क।

दक्षिण : सड़क।

पूर्व : प्लाट नं० 9 पर मकान। पश्चिम : प्लाट नं० 7 पर मकान।

सी० बी० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी दिनांक 13 मार्च, 1975 सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मोहर: श्रर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1 प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयम्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के धारा 269-म (1) के अधीन सूचन

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजंन रज 1/2, विल्ली-1 4/14-ए०, श्रासफ भ्रली रोड नई दिल्ली।  $\pi$ ई दिल्ली दिनांक 13 मार्च 1975

**निर्देश सं**० म्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/74-75/808/ 9024--यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) अर्धान प्राधिकारी की धारा 269-ख के सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु० से अधिक है भीर जिसकी सं० डी०-8 है, जो राजौरी गार्डन नई दिल्ली में स्थित है(ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के **मधीन 5-12-1974** पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के भनुसार अन्तरित की गई। है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/गा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी प्रत या अन्य आस्तियों, की, जिन्हें भारतीय आय- र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती तारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाद्रिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. श्री बलवीर सिंह, सुपुद्ध श्री सत सिंह, निवासी एच-67 राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिक)
- 2. श्री भोपाल सिंह जैन, सुपुत श्री मुख्तियार सिंह जैन, 225, लाल पुरा, इटावा (यू० पी०) (श्रन्तरीती)

को यह सूचना जारी धर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया भुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध म कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशिय की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवधां व्यवितयो पर सूचना किसी तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीयत व्यवितयों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपत मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन से भातर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पब्दोकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

1/4 श्रविभाजित भाग जयदाद का जिसका प्लाटन० डी०-8 तथा क्षेत्रफल 1960 वर्ग गज का 1/4 हैं जो कि 490 दर्ग गज है। यह राजीरी गार्डन नामक कालीनी से जाना जाता है। तथा इसकी गीमाएं निम्न प्रकार से हैं:—

उत्तर : महायक गडक।

दक्षिण : सडक।

पूर्व : प्लाट नं० 9 पर मकान । पश्चिम : प्लाट नं० 7 पर मकान ।

> सी० वी० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी

दिनांक ैं 13 मार्च, 1975 सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मोहर: ग्रर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-I प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज भारवाड़ का कार्यालय भारवाड़, दिनांक 10 मार्च 1975

निर्वेश सं० 73/74-75/ए०सी० एक्यु० ——यतः मुझे भार० पार्थसारयी आयकर

मिंदियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम शिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 129, 130 और 131 और म्याट्रिझ नं० 743 और 2436 जो बैना वास्को-इ-गामा भहर तालुका मामंगोवा, गोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मामं गोवा में डाक्युमेंट नं० 202/74 के श्रन्तर्गत 30-8-74 के दिन भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सें उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अ:य की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1561 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिन्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः, अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपसारा (1) के सधीम निम्नलिखित व्यक्तियों,अर्घातः--

 चोंगुले एंड कम्पनी, रिजस्टर्ड श्राफिस—मार्म गोवा हार्बेडर, गोवा ।

(भ्रन्तरक)

 श्री विजय विश्वासराव चोंगुले, वास्को-ड-गामा, गोवा।

(भ्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्व) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याप 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ दोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्याद्रिक्ष नं० 743 का निवास योग्य इमारत जो निम्निलिखित अनुसूची ए" भौर अनुसूची "बी" मे विणित जमीनों पर खड़ा है:— अनुसूची "ए" :—

मार्मगोवा तालुक वास्को-इ-गामा शहर के बैना में स्थित श्रास्ती का वर्णन :---

वर्णन विस्तीर्ण लैंड रजिस्ट्री नं० सर्वे नं० म्यादिश नं०

"पांट्रोंगा" नामक जमीन 1404.75 3**754**7 130 **243**6 प्सांट नं० 977 (पुराने चदर प्लान के लोटे नं० 56 से मीटर ।

सम्बन्धित वास्को-ड-गामा ।

सीमाएं :---

पूरव में या पूरव की तरफ :---रास्ता।
पश्चिम में या पश्चिम की तरफ :---लोंटे जे०सी० और लोटे जे० डी.०।

उत्तर में या उत्तर की तरफ :---लोटे नं० 963। दक्षिण में या दक्षिण की तरफ :---विवेकानन्द मार्ग। अमुसूची "बी" :----

मार्भगोवा तालुक, वास्को-ड-गामा शहर के वैना में स्थित त्रास्ती का वर्णन :---

वर्णन विस्तीर्ण ल्यांड सर्वे नं भ्याद्रिक्ष नं

नं ०

जमीन जिसका नाम लोटे जे॰सी॰ है---601.54 निस 129 निस 2. लोटे जे०डी० है---589.54 131 चदर मीटर निस निस सीमाएं :---लोट ०जेसी० 2 सोटें जेडी० पूरव में या पूरव की तरफ:--लोट नं० 977 लोटें नं० 977 पश्चिम में या पश्चिम की तरफ:— नेताजी बोस मार्ग उत्तर में या उत्तर की तरफ :--लोट नं० 963 लोटे जे॰सी॰ दक्षिण में या दक्षिण की तरफ :--लोट जें०डी० विवेकानन्द मार्ग मार॰ पार्थसारधी

सक्षम ,प्राधिकारी सारीख: 10-3-1975 सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मोहर: भ्रजन रेंज धारवाड प्ररूप आई० टी० एन० एस०⊷

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, धारवाड़ का कार्यालय धारवाड दिनांक 10 मार्च 1975

निर्देश सं० 72/74-75/एक्यू०—यतः, मुझे, श्रार० पार्थसारथी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेज, धारवाड,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, भीर जिसकी ग्रार० एस० सं० 212 है जो भारत नगर, बेलगाव गहर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बेलगांव में डाक्यूमेंन्ट सं० 1403/74-75 के ग्रन्तर्गत 28 ग्रमस्त 1974 के दिन भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है बौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, श्रायकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी क्षाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की घारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः —

- (1) श्री कृष्ण परशुराम हलगेकर श्रौर
- (2) श्री अप्पाजी परशुराम हलगेकर, खास बाग, बेल-गांव। (श्रन्तरक)

श्री शंकर गुंउप्पा भड़गांबी, बाजार, गल्ली, घर सं०
 खास बाग, बेलगांव। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप, :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

तीन मंजिलों का एक इमारत जिसका श्रार० एस० सं० 212 है, जो प्लाट नं० 60 श्रौर 61 पर खड़ा है श्रौर खो बेलगांव शहर मुनिसिपल हद के भारत नगर में है, जिस-की सीमाएं इस प्रकार हैं:—

पूर्वमें : 20′का रास्ता।

पश्चिम में : बेलगांव-वडगांव रास्ता।

दक्षिण में : प्लाट सं० 61 में काकूबाई टपाले की

भास्ती मौर,

उत्तर में : श्री श्रवेलिन् मस्करणास के बिल्डिंग।

श्चार० पा**र्यसारपी,** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, **धारवाड़।** 

दिनांक: 10 मार्च 1975।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

Kakinada, the 13th March 1975

J. No. I(64 to 70/VSP/74-75/Acq. File No. 172.--यत: मुझेK, Subbarao

का अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,जिसका उचित बाजार 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3-121A and 3-122 Vantithadiagraharam है, जो Guntur में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबन ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, Vijayanagaram में रजिस्टीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम 15-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के दश्थमान प्रतिफल ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय said Act के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 जा 11) या said Act याधन-कर अधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भतः, अब, धारा 269-गर्जा the said Act के अनुसरण में, मैं said Act की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

 Dara Satya Sundar 2. Dara Krishna Kumar 3. Dara Raja Gopal 4. Dara Badrinath 5. Dara Venu Madhav and 7. Dara Srinivas being minor by guardian father Dara Venkata-Surya Prakasa Ramarao. (2) Shri A. Narayudu, Factory Manager M/s Sarvaraya Textiles Ltd., Vantitadi Agranaram, Vizianagaram Taluk.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि यां तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जोsaid Act के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

Visakhapatnam District—Vizianayaram Taluk—Vizianagaram Sub-Registrar—Vantitadi Agraharam—Vantitadi Village—R. S. Nos. 70 and 66 48/40—Pump House building with the equipment and the appertinent site eith the pipe line. There is a pacca well built with stone and mortar—Door Nos. 3-121A and 3-122—Asst. No. 383.

BOUNDRIES :--

East: Site of Sri A. Armulu.

South: Gorja between this site and Pavanchalu Koneru.

West: Wet lands of Sri Kimidi Pudithalli etc. North: Wet lands of Sri Kimidi Pydithalli etc.

> K. SUBBARAO. सक्षम प्राधिकारी,

सहायवः श्रायकर श्रायुक्त (शिरीक्षण), श्रर्जन रेंज,

Kakinada.

Date: 13-3-1975,

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन नूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालंधर

जालन्धर, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 712/74—यतः, मुझे, राविन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं०जैसे ग्रनुसूची

में दिया है नवां शहर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधि-कारी के कार्यालय नवां शहर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधि-नियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जुलाई 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त

- अधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान :---
- 1. श्रीमती हरबन्स कौर पुत्नी दलीप सिंह, गांव सरहाल काजीश्रां। (श्रन्तरक)
- 2. श्री हरवंस सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह, गांव सरहाल काजीग्रा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

गांव सरहाल काजीयां में 23 कनाल 6 मरले भूमि जिसका पूर्ण रूप जुलाई 1974 के, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी नवां शहर के वसीका नं०, 2367 में दर्ज है।

> राविन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक: 3 मार्च 1975।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 713/74--- यतः, मुझे, राविन्द्र कुमार, भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) 269-घ के अधीन सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक है **ग्रौर** जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में ग्रौर जो शाहकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शाहकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान लिए अन्तरित की गई प्रतिफल के है और मुझे यह जिल्हास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-भर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:

- श्री हरी सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह गांव गट्टी पीर वक्स त० नकोदर। (श्रन्तरक)
- श्री शंगारा सिंह पुन्न श्री बन्ता सिंह, गांव गट्टी पीर बक्स, तहसील नकोदर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए एतबृद्धारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, सही शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

# अनुसूची

जमीन 33 कनाल 14 मरले जिसका पूर्ण रूप जुलाई, 1974 के रिजस्ट्रीकर्ता शाहकोट के बसीका नं० 843 में दिया है।

> राविन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्र्जन रेंज, जालन्घर ।

दिनांक: 3 मार्च 1975।

मोहर ।

# प्रकप भाई० टी० एन० एस०-

आयमार अग्निनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) बर्जन रेंज, जानन्धर

जालनधर, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 714-74--यतः, मुझे, राविन्द्र, कुमार, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है। की धारा सक्षम प्राधिकारी 269 घ के अधीन विष्याम वरने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्रस्य 25,000/रूपये से ग्रधिक है भीर जिसकी सं० जैसा भ्रनुसूची में दिया है भीर जो जैसा अनुसूची में दिया है में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिलौर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनाक जुलाई 1974 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार गृह्य में कम के दुम्यभान पतिकल के लिए रिजस्ट्रीष्ट्रत विलेखा के भनुसार भन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास वन्ते वा कारण है कि यदापुर्वेशन सम्पत्ति वा नित्न बाकार मृत्य, उसमें तक्यमान प्रतिकरू में, ऐसे दुम्लमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकर ग्राधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच सब पाया गया ऐसे अस्तरण के लिए प्रतिकल निम्त-लिकित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित मही किया गया है --

- (क) धन्तरण में हुई किसी धाय की बाबत धायकर धिर्मियम, 1961 (1961 का 43) के धिधीन कर देने के धन्तरक के डाधित्य में कभी करने या नससे बचने में सुविधा के लिए सुकर दमाना ; धौर/या
- (ख) एसी किसी धाय या किसी धन या धन्य मास्तियो, को जिन्हें भारतीय आयन्कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धाय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

म्रत: मब, उक्त प्रधिनियम, धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयित:— 3—6G1/75

- श्री किशोरी लाल पुत्र श्री मुलख राज अग्रवाल,
   वासी फिलौर जिला जालन्धर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री गुरवेव सिंह पुत्र उधम सिंह, गांव तेंग तहसील फिलौर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए एतव्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं। जक्त सम्पत्ति के प्रति श्राक्षेप यदि कोई तो हो

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भातर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रश्चोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में विग्र जा सकेंगे।

स्पर्त्याकरण:—इसम प्रमृत्यत मन्दा ग्रीर पदो का, जो भायकर श्रक्षित्यम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है. वही ग्रर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

गांव लच्छोवाल में भूमि जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी फिलौर के जुलाई 1974 के वसीका नं० 2013 में दर्ज है।

> राविन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, राहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक 3 मार्च 1975। मोहर

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, जालन्घर

जालन्धर, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 715-74---यतः, मुझे, राविन्द्र कुमार, ग्रायकर ग्रहिनियम, 1961(1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है )। की धारा 269 घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- र० से प्रधिक है उचित क्षाजार मृल्य भ्रौर जिसकी सं० जैसा भ्रनुसूची में दिया है भ्रौर जो जैसा अनुसूची में दिया है में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण घ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनकां जुलाफ 1974 ी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

म्रतः मब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, मैं, उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ममीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रथीत:—

- बखतायर सिंह पुत्र सतनाम सिंह गांव वडासा माधोबाला त० जालन्धर। (अन्तरक)
- (i) नरेंन्द्र सिंह पुत्र जगत सिंह, वासी सिधवान ग्रौर
  - (ii) ग्रवतार सिंह पुत्र करनेल सिंह, वासी बाट, तहसील नकोदर। (ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,:-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भनुसूची

70 कनाल भूमि जिसका पूर्णरूप रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर के जुलाई 1974 के वसीका नं० 4831 में दर्ज है।

राविन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, जासन्धर।

दिनांक: 3 मार्च 1975।

प्रारूप ग्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 169-च (1) के ग्रीधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्वेश सं० ए० पी० 716/74-यतः, मुझे, राविन्द्र ग्रधिनियम श्रायकर 1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात (1961 का 43) 'उक्त धिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के ब्रधीन सक्सम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पति, जिसका उचित बाजार मल्य से अधिक है 25,000/-Ŧο भीर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में दर्ज है श्रीर जो जैसा धनुसूची में दर्ज है में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, शाहकोट में रजिरदीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक ज्लाई को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पति का उचित बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिगत प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकी) श्रीर भ्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिपाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हई किसी आय की बाबत, श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दाणित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती क्षारा भकट नहीं किया गया था, या किया जाना था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म के श्रनुसरण में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) भष्ठीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, भ्रथीत:——

- 1. श्री हरी सिंह पुत्र सुन्दर सिंह, वासी गट्टी पीर बन्स, नहसील नकोदर। (ग्रन्तरक)
- थी प्यारा सिंह वगैरा पुत्र बन्ता सिंह वासी गट्टी पीर वक्स। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ध्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्राकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित में हिनबड़ जिसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाहीकरण '---ट्समे प्रयक्त शब्दो स्प्रीर पदो का, जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परि-शावित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस शध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि 25 कनाल 5 मरले, जिसका पूर्ण रूप रजिट्टी-कर्ता श्रिधिकारी शाहकोट के ज्लाई 1974 के बसीका नं० 846 में दर्ज है।

> राविन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जालन्धर ।

दिनांक: 3 मार्च 1975।

मोहर '

प्रारूप भाई० टी० एन० एरा०-----

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 169-व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायक∀ श्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजैन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 717/74--यतः, मुझे, राविन्द्र भ्रायकर ग्रिधिनियम कुमार, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ब्राधिनियम<sup>7</sup> कहा गया है), की धारा 269-ख के <mark>ब्रा</mark>धीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि अिसका उचित बाजार सम्पति, 25,000/- ६० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० जैसा ग्रनुसूची में दिया है ग्रीर को जैसा श्रमुसूनी में दिया है में स्थित है (शीर इससे उपायत शनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भंगा में रजिस्ट्रीकरण ब्रधिनियम, (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुक्थमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिवात प्रधिक है और जन्तरक (धनारकों) ग्रीर श्रन्तरिती (प्रन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित

(क) म्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, भ्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रमीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भुविधा के लिए, भौर/या

में बास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव उक्त ब्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र श्री बूटा सिंह, गांव डेहरी वाला जिला होशियारपुर। (अन्तरक)
- 2. श्री क० महेन्द्र सिंह पुत्र श्री किशन सिंह, ग, श्री सतपाल पुत्र श्री जगजीत सिंह, व गुरप्रीत सिंह पुत्र श्री गुए-चरन सिंह वासी झंजी पिन्ड। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से, किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्राकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित में हितबद्ध किसी भ्रन्य ब्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही धर्य होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

गांव डेहरी वाला में 42 कनाल 17 मरले भूमि जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता भुंगा के जुलाई 1974 के वसीका नं० 627 में दर्ज है।

> राविन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज, जालम्बर।

विनांक: 3 मार्च 1975

प्रारूप प्राई० टी० एन० एस०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 169-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षक)

ग्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश स० ए० पी० 718/74—यत:, मुझे, राविन्द्र कुमार, ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रू० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में दिया है श्रीर जो जैसा श्रनुसूची में दिया है में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शुंगा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित वाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत श्रीधक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के धधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रिधिनयम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, उक्त श्रिधिनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित ब्यक्तियों, श्रर्थात:—

- श्री सुखिबन्दर सिंह पुत्र श्री बूटा सिंह, वासी हेहरी-बाला जिला होशियारपुर। (श्रन्तरक)
- 2. क. श्री सतपाल सिंह पुत्र श्री अगजीत सिंह, ख. महेन्द्र सिंह व गुरश्रीत सिंह पुत्र गुरचरन सिंह, वासी झंजी पिन्ड, जिला होशियारपुर (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से, किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्राकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होना जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

गांव डेहरी वाला में 42 कनाल 17 मरले भूमि जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता भुंगा के जुलाई 1974 के वसीका नं 628 में दर्ज है।

> राविन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रॅज, जासन्धर

दिनांक : 3 मार्च 1975

प्रारूप भाई० टी० एन० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्यारा 169-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रॅंज का जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 719/74—यतः, मुझे, श्रार० के० पटानिया, ब्रायकर ब्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि **उचित बाजार मृ**ल्य स्थावर सम्पति, जिसका 25,000/- ६० से भ्रधिक है भौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में दिया है भीर जो जैसा अनुसूची में दिया है में स्थित है (ग्रीर उससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भंगा में राजस्दीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या, या किया जाना चाहिए था छिपाने के में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:—

- श्री नरेन्द्र सिंह पुत्र श्री बुटा सिंह जगदीप कौर पत्नी बूटा सिंह, गांव डेहरी वाला जिला होशियारपुर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मनजीत सिंह पुत्र श्री किशन सिंह, सन्तोख सिंह पुत्र श्री जगजीत सिंह, श्रीर गुरपाल सिंह पुत्र श्री गुरचरन सिंह, गांव झंजी पिन्ड जिला होशियारपुर। (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से, किसी ब्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्राकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमे प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो श्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही श्रयं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# प्रनुसूची

गाव डेहरी वाला में जमीन जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता भुंगा के जुलाई 1974 के वसीका नं० 629 में दिया है।

> भार० के० पटानिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेज, जालन्धर

दिनांक: 3 मार्च 1975,।

प्रारूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 169-घ (1) के भ्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 720/74—यतः, मुझे, श्रार० के० पठानिया,

आयकर श्रधिनियम
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त
श्रधिनिथम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- ६०
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा धनुसूची में दिया है और जो जैसा धनुसूची में दिया है में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भूंगा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिताने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित ब्यक्तियों, श्रर्थात:—

 श्री सुखिवन्द्र सिंह पुत्र श्री बूटा सिंह मुखत्यार ग्राम, कुमारी जगवीर कौर ग्रीर धर्मवीर कौर, गांव डेहरी वाला जिला होशियारपुर। (ग्रन्तरक)

2. (1) श्री मनजीत सिंह पुत्र श्री किशन सिंह,

(2) श्री सन्तोख सिंह पुत्र श्री जगजीत सिंह धौर

(3) श्री गुरपाल सिंह पुत्र श्री गुरचरन सिंह, गांव झंजी पिन्ड। (अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तन्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समात होती हो के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से, किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्राकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त मध्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनसूची

जमीन जिसका पूर्ण े्रूप रजिस्ट्रीकर्ता ईमुंगा के जुलाई 1974 के बसीका नं० 630 में दिया है।

> भ्रार० के० पठानिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 3 मार्च 1975

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भागनर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-छ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 721-74--यतः, मुझे, भ्रार० के० पठानिया,

भायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भ्रधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में दिया है श्रौर जो जैसा अनुसूची में दिया है में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, होणियारपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्मिल के जीवन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजर्स्ट कृत खिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि एशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वत में वास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—-

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबल आयकर अधिनियम, 196। (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनक्ष भन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया धाया किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

भतः प्रव, उक्त अधिनियम धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, भ्रायकर भ्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपद्यारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्थात् :---

- 1. श्री बन्ता सिंह पुत्र श्री ज्वाला सिंह, गुरू नानक नगर, होशियारपुर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री हरवन्स सिंह पुत्र श्री हुकम सिंह, मृहल्ला बहायुर-पुर, होशियारपुर। (मन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिमे एतपृद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी सबिए बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति हारण, अग्रोहस्ताक्षणों के पास लिखित में किए जा नकींगे।

स्पष्तीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदा का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याप 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जी उस अध्याप में विया गया है।

# **भनुसू**ची

यांव सुतेहरी खुर्द में जमीन जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्री-कर्ता होसियारपुर के जुलाई 1974 के वसीका नं० 1764 में दर्ज है।

> श्रार० के० पठानिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 3 मार्च 1975

प्रकृप आई० टी० एन० एस०--

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन, रेंज जासन्धर

जालन्धर दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 722-74--यतः, मुझे, आर० के० पठानिया, प्रायकःर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रिधिनियम कहा गया है) की घारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है

भोर जिसकी सं० जैता अनुसूची में दिया है स्रौर जो मृतेहरी खुर्द होशियारपुर स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्रमुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजद्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय होशियारपुर में रिजट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 को 16) के ग्रधीन दिनांक जुलाई 1974 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मह्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीमृत विलेख के अनुमार अन्तिन्त की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त राम्पिल का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से श्रन्तरण लिखित में वास्तविक स्रप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए सुकर बनाना ग्रीर या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना

मृत: श्रव उक्त श्रश्चिनियम की धारा 269—ग के श्रनुसरण में, मैं. उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269—घ की उपधारा(1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रश्चीत: —

- 1. श्री बन्ता सिंह पुत्र श्री जवाला सिंह, गुरू नानक नगर, होशियारपुर। (श्रन्तरक)
- 2. कुमारी मनजीत संधू पुत्नी श्री दलीप सिंह, सुतेहरी खुर्द, होशियारपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के ग्रजंन के एतदृद्वारा कार्यवाहियां शरू करता हं।

उक्त सम्पति के अर्जन के प्रति आक्षेप, :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध के बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति होरा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दो ग्रौर पदो का, जो भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) ग्रध्याय 20-क मे यथापरिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

गांव सुतेहरी खुर्द में जमीन जिसका पूर्ण रूप रजिट्री-कर्ता ग्रिधकारी हुशियारपुर के जुलाई 1974 के वसीका नं० 1741 में दर्ज है।

> न्नार० के० पठानिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

**दिनां**क: 3 मार्च 1975

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)की घारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 723-74--यतः, मुझे, घार० के० पठानिया,

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० जैसा भ्रनुसूची में दिया है श्रीर जो होशियारपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांगक जलाई 1974 को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तन्ति (अन्तरिविधों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया पया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (धा) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहों किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भतः अव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात:—

- 1. सर्वश्री मोहन सिंह, देवा सिंह पुत्रगण श्री उत्तम सिंह गांव उच्चा तहसील जालन्धर। (धन्तरक)
  - 2. (1) श्री करनेल सिंह पुत्र श्री ग्रमर सिंह,
    - (2) श्री अमरीक सिंह पुत्र श्री करनेल सिंह भौर
    - (3) श्रीमती सुरिन्द्र कौर पत्नी करनेल सिंह, गांव रैहसीबाल, तहसील होशियारपुर। (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में ममाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिक्सित में किए जा सर्केंगे।

स्पट्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मजरम गांव में 39 कनाल 19 मरला जमीन जो कि रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी होशियारपुर के जुलाई 1974 के बसीका नं 1901 में दर्ज है।

> भार० के० पठानिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 3 मार्च 1975। मोहरः प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज जालन्धर का कार्यालय जालन्धर, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 724-74---यतः, मुझे, रिवन्द्र कुमार, भायकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,00 ।/- रुपये मे अधिक है श्रीर जिसकी सं० जैसे अधिसूचना में दिया है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में

भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, होशियारपुर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक जुलाई 1974 को पर्वोक्त सम्पत्त के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्त का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उन्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (था) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

 श्री ठाकर राम पुत्र श्री मंगल राम, पुत्र श्री भल्ला राम वासी चक गुजरां, जिला होशियारपुर। (अन्तरक)

2. श्री गुरदेव सिंह, बलदेव सिंह व सुखदेव सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह पुत्र दलीप सिंह, वासी नसराला जिला होशियारपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

गांव चक्क गुजरां में 58 कनाल भूमि जिसका पूर्ण रूप रिजस्ट्रीकर्ता होशियारपुर के जुलाई 1974 के वसीका नं० 1986 में दर्ज है।

> रविन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, जालन्धर।

दिनांक: 3 मार्च 1975।

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश स० ए० पी०-725-74---यतः, मुझे, रिवन्दर क्मार, स्रायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्पत्ति, जिसका बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक ग्रौर जितकी स० जैना अनुसूचा में १३% ह दथ। जो जैसा अनुसूची में दिया है में स्थित है (आर इससे उपाद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) र्रायस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में भारतीय रिप्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रातेफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त भ्रिधिनयम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. श्री सुर्जीत सिंह पुत्र श्री रतन सिंह वासी छावनी कलां तहसील होशियारपुर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जगत सिंह पुत्र श्री ग्रात्म सिंह, गांव बिनपाल-कोनी नंगल थाना करतारपुर, तहसील जालन्धर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के किये कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से क्षिसी व्यक्ति द्वारा ;
- (छ) इस सूचना के राज्यत है प्रनापन की हारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्प्रीत से हितबढ़ किशी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, सही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

छावनी नगर में 62 कनाल 2 मरले भूमि जिसका पूर्ण रूप जुलाई 1974 के रिजस्ट्रीकर्ता होशियारपुर के वसीका नं० 1912 में दर्ज है।

> रविन्द्र कुमार, संक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक: 3 मार्च 1975।

# SUPREME COURT OF INDIA (ADMN. BRANCH I)

New Delhi, the 3rd March 1975

No. F. 6/75-SCA(I).—Pursuant to the orders of the Hon'ble the Chief Justice of India Shri V. K. Thapar continues to officiate as Section Officer with effect from 1st March, 1975 to 23rd April, 1975 vice Shri G. Natesan, Offig. Section Officer granted leave.

T. K. MAHADEVARAO, Deputy Registrar (Admn.)

New Delhi, the 7th March 1975

No. F. 6/75-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to place the services of Shri R. N. Joshi, Section Officer, Supreme Court of India, at the disposal of the Commission of Inquiry appointed under the Chairmanship of Hon'ble Mr. Justice K. K. Mathew, Judge, Supreme Court of India to enquire into the incidents of explosions at Samastipur on 2-1-1975 and matters connected therewith with effect from the afternoon of 7 March 1975, until further orders, for appointment as Secretary to the said Commission. The terms and conditions of his appointment are contained in the Ministry of Home Affairs letter No. I-12014/5/75-S&P-(DIII) dated 7 March 1975.

S. K. GUPTA, Registrar (Admn.)

# UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION New Delhi-110011, the 12th March 1975

No. A. 12019/6/74-Admn. II.—In continuation of Union Public Service Commission notification of even number dated 11-12-74, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri B. S. Jain, a permanent Selection Grade Officer of the C.S.S.S. cadre of the Union Public Service Commission and officiating as Section Officer on deputation from the C.S.S.S. cadre in the Commission's Office, to officiate, on an ad-hoc basis, as Special Assistant to Chairman, for a further period of six months with effect from 1-3-75 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

Shri B. S. Jain will be on deputation to an ex-cadre post of Special Assistant to the Chairman, Union Public Service Commission and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F. 10(24)-E. III dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

P. N. MUKHERJEE, Under Secretary, for Chairman Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 27th February 1975

No. A. 32013/1/75-Admn.I.—Shri K. S. Kacker, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade-I of the Service, vide this office Notification No. 32013/1/75-Admn. I dated 7-2-1975 relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of 15th February, 1975.

2. On his reversion, Shri K. S. Kacker, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 15th February, 1975.

- No. A. 32013/1/75-Admn. I.—Shri B. R. Verma, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service, vide this office Notification No. 32013/1/75-Admn. I dated 22nd February, 1975 relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 15th February, 1975.
- 2. On his reversion, Shri B. R. Verma, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 15th February, 1974

P. N. MUKHERJEE, Under Secretary, Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 31st January 1975

No. A. 38014/2/74-Admn III.—The President is pleased to permit Shri Kartar Singh Datta, a permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Govt, service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 31st January, 1975 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests. (A) dated the 24th November, 1973.

#### The 1st March 1975

No. A. 32013/1/75-Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri J. B. Gupta, a permanent officer of Grade I of the Central Secretariat Service to officiate in the Selection Grade of the Service for a further period of 2 months with effect from 11-2-1975 to 10-4-1975 (both days inclusive) or until further orders, whichever is earlier.

# The 10th March 1975 CORRIGENDUM

No. A. 12025(ii)/1/72-Admn III.—The word "after-poon" appearing in the seventh line of this office notification of even number dated the 24th February, 1975 shall be read as "forenoon".

P. N. MUKHERJEE, Under Secretary, Incharge of Administration Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT
DEPARTMENT OF PERSONNEL &
ADMINISTRATIVE REFORMS
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110001, the 11th March 1975

No. A-19021/3/75-AD. V.—The President is pleased to appoint on deputation Shri V. P. Bhatnagar, I.P.S. (Rajasthan-1963-RR) as Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the foremoon of 12th February, 1975 until further orders.

G. L. AGARWAL, Administrative Officer (E) C.B.I.

DIRECTORATE OF ENFORCEMENT (Department of Personnel)
New Delhi, the 17th January 1975

#### APPOINTMENTS

No. A-11/61/74.—Shri P. V. Patwardhan, Inspector Central Excise, Allahabad is appointed as Enforcement Officer in the Varanasi sub-zonal office of this Directorate, with effect from 10-1-1975 and until further orders.

# The 8th January 1975

No. A-11/59/74.—Shri D. D. Sharma, Inspector, Income Tax, Amritsar is appointed as Enforcement Officer in the Jullundur Sub-Zonal Office of this Directorate, with effect from 20-12-74 (F.N.) and until further orders.

#### The 4th February 1975

No. A-11/1/75.—Shri R. K. Garg, Inspector, Income Tax, New Delhi is appointed as Enforcement Officer in Delhi Zonal Office of this Directorate, with effect from 28-1-75 (F.N.) and until further orders.

NRIPEN BAKSI, Deputy Director

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-11, the 27th February 1975

No. 5/29/71-RG(Ad. I).—Consequent on his selection for deputation as Expert in demography to the Government of Afghanistan under the I.T.E.C. Programme of the Ministry of External Affairs, Shri R D. Agrawal relinquished the charge of the post of Senior Research Officer in the office of the Registrar General

India with effect from the afternoon of 20 February 1975.

#### The 4th March 1975

No. 11/3/75-Ad. I.—The President is pleased to replace the services of Shri P. S. Tandon, Deputy Director of Census Operations, Uttar Pradesh at the disposal of the Government of Uttar Pradesh with effect from the afternoon of 5 February 1975.

The President is also pleased to replace the services of Shri B. H. Bhate, Assistant Director of Census Operations, Maharashtra at the disposal of the Government of Maharashtra with effect from the forenoon of 30 January 1975.

No. P/T(1)-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri R. R. Tripathi, Research Officer (Map) in the office of the Registrar General, India in a substantive capacity in that post with effect from 1 March 1975.

BADRI NATH, Deputy Registrar General, ex-officio Deputy Secretary.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 14th March 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/Sept.I/389(7)/74-75/9000.—Whereas I. D. B. LAL,

being the Competent Authority under section 269H of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter, referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7 (Part marked) EF-G-H) situated at Prithvi Raj Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the iffice of the registering officer at Delhi on 3-9-1974,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Glaridges Hotel (P) Ltd., 12, Aurangzeb Road, New Delhi, through Sh. Mahadev Prasad S/o Late Gokal Chand, R/o 21-A, Aurangzeb Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Skyways Properties (P) Ltd. C-96, South Extension Part-II, New Delhi, Through Rahendra Prasad Jain, R/o. C/96, South Extension Part-II, New Delhi-49.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A portion of plot of land No. 20 (Marked parts E. F. G&H) in block No. 1 now known as 7, Prithvi Raj Road (towards Ratendone Road), New Delhi, mg. 2429.59 sq. yds. (128'-71''×170') being a part out of the total area of 4859-17 sq. yds. situated in the Union Territory of Delhi and bounded as under on the:—

North-East: By part C & D of the said premises.

South-West: By plot No. 9 Prithvi Raj Road, now known as 44A, Ratendone Road.

North-West: By land of Rajasthan Govt.

South-East: By Ratendone Road.

D. B. LAL.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Date: 14-3-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. 4/14A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 14th March 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/Sept.I/387(5)/74-75/9002.—Whereas. I, D. B. LAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing

No. 7 (Part marked 'C')

situated at Prithvi Raj Road, New Delhi

(and more fully

described in the schedule annexed hereto), has been transterred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 3-9-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to beli-ve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Claridges Hotel (P) Ltd., 12, Aurangzeb Road New Delhi, Through Shri Mahadev Prasad, R/o 21-A. Aurangzeb Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Nemi Chand Jain. S/Shri Kundan Lal Jain, R/o A2/25, Safdarjang Enclave, New Delhi-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A portion of plot of land No. 20 (Marked part C) in Block 1, now known as 7, Prithvi Ray Road, New Delhi (towards Ratendone Road) mg. about 574.93 sq. yards, (60°-10½"×85") being a part out of the total area of 4859.17 sq. yards situated in the Union Territory of Delhi and bounded as under on the:—

North-east By part A of the said premises. South-west By part E of the said premises. North-west By part D of the said premises. South-east By Ratendone Road.

D. B. LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,

Date: 14-3-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISTTION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 14th March 1975

Ref. No. JAC/Acq.I/SR-III/Scpt.I/398(17)/74-75/ 9004.—Whereas, I, D. B. LAL, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. 7 (Part marked 'D') situated at Prithvi Raj Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Delhi on 9-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Claridges Hotel (P) Ltd.,
 Aurangzeb Road, New Delhi,
 Through Shri Mahadev Prasad,
 R/O 21-A, Aurangzeh Road, New Delhi,
 (Transferor)

Shri Mahendra Prasad Jain,
 S/o Late Shri Maharaj Prasad Jain,
 R/o Dalmia Nagar, Bihar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A portion of plot of land No. 20 (Marked Part D) in Block 1, known as 7, Prithvi Rai Road, towards Ratendone Road), New Delhi mg. about 574.93 sq. yds. (60'-104"×85') being a part out of the total area of 4859-17 sq. yds. situated in the Union Territory of Delhi and bounded as under on the:—

North-East: By part B of the said premises. South-East: By part F of the said premises. North-West: By land of Rajasthan Govt. By part C of the said premises.

D. B. LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,

Date: 14-3-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Padma Rani Jain. W/o Shri Rajendra Prasad Jain, R/o C-96, South Extension Part-II, New Delhi-49.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

> > New Delhi, the 14th March 1975

No. 1AC/Acq.I/SR-III/Sept.I/388(6)/74-75/ 9006.-Whereas I, D. B. LAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinaster referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 7 (Part marked 'B') situated at Prithvi Raj Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office, at Delhi on 3-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, In respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same, meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A portion of plot of land No. 20 (Marked Part B) in Block No. I, known as 7, Prithvi Raj Road (towards Ratendone Road) New Delhi mg. about 639.86 sq. yds. (67'-9"×85') being a part out of the total area of 4859.17 sq. yards situated in the Union Territory of Delhi and bounded as under on the :--

North-east: By Plot No. 5 on Prithvi Raj Road. South-west: By Plot D of the said premises. North-west: By land of Rajasthan Govt. South-east: By Part A of the said premises.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons namely: -

(1) Claridges Hotel (P) Ltd., 12, Aurangzeb Road, New Delhi, through

Shri Mahadev Prasad S/o Late Gokal Chand,

R/o 21-A, Aurangzeb Road, New Delhi,

(Transferor)

D. B. LAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, New Delhi,

Date: 14-3-1975

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 14th March 1975

No. IAC/Acq.I/SR-III/Sept.I/397(16)/74-75/ 9008 — Whereas, I, D. B. LAL, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7 (Part Marked 'A')

situated at Prithvi Raj Road, New Delhi

(and more fully des\_

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 9-9-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has

not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said act to the the following persons, namely:

(1) M/s. Claridges Hotel (P) Ltd., 12, Aurangzeb Road, New Delhi, through Shri Mahadev Prasad S/o Late Gokal C R/o 21-A, Aurangzeb Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Brijeshwar Prasad Jain, S/o Late Sh. Maharaj Prasad Jain, R/o Dalmia Nagar, Bihar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A portion of plot of land No. 20 (Marked Part A) in Block No. 1, now known as 7, Prithvi Raj Road. (towards Ratendone Road), New Delhi mg. 639.86 sq. yds. (67'-9"\times 85') being a part out of the total area of 4859.17 sq. yds. situated in the Union Territory of Delhi and bounded as under on the:

North-east: By Plot No. 5 on the Prithvi Raj Road. South-west: By Part C of the said premises. North-west: By part B of the said premises. South-east: By Ratendone Road.

D. B. LAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, New Delhl.

Date: 14-3-1975

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, II, 4/14A, A, A, ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/811/74-75/9030,—Whereas, I. C. V. GUPTE.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

D-8 situated at Rajouri Garden, New Delhi

(and more fully described in the Schedule ed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 5-12-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri Amarjit Singh S/o Shri Sant Singh, R/o H-57, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Trishla Ram Jain, W/o Shri Bhopal Singh Jain, R/o 225, Lal Pura, Itwah (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th undivided share in property bearing Plot No. D-8, measuring 1/4th of 1960 sq. yds. i.e. 490 sq. yds. situated in the colony known as Rajouri Garden bounded as under :-

North: Subsidiary Road South: Road

East: House on Plot No. 9 West: House on Plot No. 7

C. V. GUPTE

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II,

New Delhi

Date: 13th March, 1975

 Shri Kartar Singh S/o Shri Sant Singh, R/o H-57, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II, 4/14A, A. A. ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1975

**Ref.** No. IAC/Acq.II/810/74-75/9028.—Whereas, I, C. V. GUPTE,

being the competent authority

under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-8 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 5-12-1974, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Bhopal Singh Jain, Shri Mukhtiar Singh Jain, R/o 225, Lal Pura, Itwah (U.P.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th undivided share in property bearing Plot No. D-8, measuring 1/4th of 1960 sq. yds. i.e. 490 sq. yds. situated in the conoly known as Rajouri Garden bounded as under:—

North: Subsidiary Road South: Road East: House on Plot No. 9

West: House on Plot No. 9
West: House on Plot No. 7

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
New Delhi

Date: 13th March, 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE II, 4/14A, A. A. ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/809/74-75/9026.—Whereas, I. C. V. GUPTE,

being the Competent Authority,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having

a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-8 situated at Rajouri Garden, New Delhi

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 5-12-1974,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Hari Singh S/o Shri Sant Singh, R/o H-67, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Singari Devi w/o Shri Mukhtiar Singh, R/o 225, Lal Pura, Itawah (U.P.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th undivided share in property bearing Plot No. D-8, measuring 1/4th of 1960 sq. yds. i.e. 490 sq. yds. situated in the colony known as Rajouri Garden bounded as under:—

North: Subsidiary Road

South: Road

East: House on Plot No. 9 West: House on Plot No. 7

C. V. GUPTE

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,

New Delhi

Date: 13th March, 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhopal Singh Jain, S/o Shri Mukhtiar Singh Jain, R/o 255, Lal Pura, Itwah (U.P.).

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-

MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE III, 4/14A, A. A. ROAD, 3RD FLOOR, **NEW DELHI** 

New Delhi, the 13th March 1975

Ref. No. 1AC/Acq.II/74-75/808/9024.--Whereas, I. C. V. GUPTE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-8 situated at Rajouri Garden, New Delhi

(and more fully described

in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 5-12-1974,

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weulth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Balbir Singh S/o Shri Sant Singh, R/o H-67, Rajouri Garden, New Delhi, (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the (b) by any Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th undivided share in property bearing Plot No. D-8, measuring 1/4th of 1960 sq. yds. i.e. 490 sq. yds. situated in the colony known as Rajouri Garden bounded as under :-

North: Subsidiary Road

South: Road

East: House on Plot No. 9 West: House on Plot No. 7

C. V. GUPTE Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, New Delhi.

Date: 13th March, 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 10th March 1975

Notice No. 73/74-75/ACQ.—Whereas, I, R. Partha-Sarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Numbers 129, 130 and 131 and Matriz Numbers

743 and 2436 situated at Baina, Vasco-Da-Gama Town, Taluka-Marmagao, Goa,

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration

Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marmagao under Document Number 202/74 on 30-8-74, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 1961 or the Wealth Tax Act. Income-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Chowgule & Company, Registered Office at Marmagao Harbour, Goa. (Transferor)
- (2) Shri Vijay Vishwasrao Chowgule, Vasco-Da-Gama, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever perlod expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

RESIDENTIAL BUILDING BFARING MATRIZ No. 743 STANDING ON THE LANDS DESCRIBED IN SCHEDULE "A" AND SCHEDULE "B" BELOW :—

SCHEDULE "A"

DESCRIPTION OF THE PROPERTY SITUATE AT BAINA IN THE TOWN OF VASCO DA GAMA TALUKA MORMUGAO.

Description	Area	Land Registry No.	Survey No.	Matriz No
	1404.75	37547	130	2436

Land known as "Patronga" Plot No. 977 (Corresponding To lote No. 56 of Old Plan) of Vasco-Da-Gama.

## Boundaries

On or towards the east

: Road

On or towards the West

: Lote JC & Lote JD

On or towards the North : Lote No. 963 On or towards the South : Vivekanand Marg

## SCHEDULE "B"

Description of the Property situate at Baina in the town of Vasco-Da-Gama Taluka Mormugao.

Description	Area	j	Land Registry No.	Surve	
Land known as	601.64	.42	Nil	129	Nil
1. Lote JC	601,54				Nil
2. Lote JD	589.54	VI-	Nil	131	
Boundaries			1, Lote	) JC	2. Lote JD
On or towards the east;			Lote 1	No. 97	7 Lote No. 977
On or towards the west:	:		Nethaji Marg		Nethaji Bose Marg
On or towards the North	:		Lote N	io. 963	Lote JC
On or towards the South	;		Lote J	D Y	Vivekanand] Marg [

## R. PARTHASARATHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar

Date: 10-3-1975

Scal +

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## (1) 1. Shri Krishna Parashuram Halagekar and 2. Shri Appaji Parashuram Halagekar, Khasbag, Belgaum,

(Transferors)

(2) Shri Shankar Gundappa Bhadagavi, Bazargalli, House No. 50, Khasbag, Belgaum. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

## **DHARWAR-4**

Dharwar, the 10th March 1975

Notice No. 72/74-75/ACQ.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing R. S. No. 212 situated at Bharat Nagar,

Belgaum City (and more fully described in the Scendule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Belgaum under Document No. 1403/74-75 on 28-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A three storied building bearing R.S. No. 212 and standing on Plots No. 60 and 61 situate in Bharat Nagar, within Municipal limits of Belgaum City bounded:

On the East: By 20' road. On the West: By Belgaum Vadagaon Road.

On the South: By the property out of Plot No. 61 belonging to Kakubai Tapale; and

On the North: By the building belonging to Shri Avelin Mascarenhas.

## R. PARTHASARATHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar

Date: 10-3-1975

Scal:

6-6GI/75

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th March 1975

Ref. No. J. No. I (64 to 70)/VSP/74-75/Acq. File No. 172.—Whereas, I, K. Subbarao,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-121A and 3-122 situated at Vantithadiagraharam (and more fully described

in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vijayanagaram on 15-7-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

S/Shri

- (1) 1. Dara Satya Sundar,
  - 2. Dara Krishna Kumar,
  - 3. Data Raja Gopal,
  - Dara Badrinath,
     Dara Mohanarao,
  - 6. Dara Venu Madhay and
  - Dara Srinivas being minor by guardian father Dara Venkata Surya Prakasa Ramarao.

(Transferor)

(2) A. Narayudu,
 Factory Manager,
 M/s. Sarvaraya Textiles Ltd.,
 Vantithadi Agraharam Vizianagaram Taluk.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Visakhapatnam District—Vizianagaram Taluk—Vizianagaram Sub-Registrar—Vantitadi Agraharam—Vantitadi Village—R.S. Nos. 70 & 66 48/40 Pump House Building with equipment and the appertinent site with the pipe line. There is a pacca well built with stone and mortar—Door Nos. 3-121A and 3-122—Asst. No. 383.

## BOUNDARIES

East: Site of Sri A. Armulu.

South: Gorja between this site and Pavanchalu Koneru.

West: Wet land of Sri Kimidi Pydithalli etc. North: Wet lands of Sri Kimidi Pydithalli etc.

K. SUBBARAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 13-3-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INMOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 3rd March 1975

Ref. No. AP-712-74.—Whereas, I, R. K. Pathania, being the Competent Authority

under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural lands 23 kanals and 6 marlas situated at Village Sarhal Kazian, Teh. Nawansehar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawansehar in July 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Kumari Harbans Kaur D/o Sh, Dalip Singh Vill. Sarhal Kazian P.S. Banga Teh, Nawansehar Distt. Jullundur.

- (2) Shri Harbans Singh S/o Sh. Dalip Singh Vill. Sarhal Kazian, Teh. Nawansehar.
- (3) As per S. No. 2.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the lands.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 23 kanals and 6 marlas situated at Vill. Sarhal Kazian, P. S. Banga, Teh. Nawansahar Distt. Jullundur as mentioned in the Registration Deed No. 2367 of July 1974 of the Registering Authority Nawansahar.

R. K. PATHANIA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 3-3-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INMOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd March 1975

Ref. No. AP-713-74.—Whereas, I, R. K. Pathania, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule over leaf.
(and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Indian Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at
Shahkot in July on 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

 Shri Hari Singh S/o Sundersingh, S/o Punjab Singh, Village Gatti Pirbax, Teh. Nakodar, Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Shangar Singh and others, Ss/o Banta Singh S/o Buta Singh, R/o Village Pirbax, Teh, Nakodar, Distt. Jullundur

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2, (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the lands.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 33 kanals and 14 marlas situated at Village Gatti Pirbax as mentioned in Registration Deed No. 843 of July 1974 of the Registering Authority Shahkot, Distt. Jullundur.

R. K. PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Iucome-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 3-3-1975

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INMOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd March 1975

Ret. No. AP-714/74.—Whereas, 1, R. K. Pathania, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule over leaf.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phillaur in July 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Λct, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kishori Lal Aggarwal, S/o Mulkhraj Aggarwal, R/o Phillaur. (2) Shri Gurdev Singh S/o Udham Singh, Village Tehang, Teh, Phillaur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the lands.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 59 kanals and 18 marlas situated at Village Bachhowal, Teh. Phillaur as mentioned in Registration Deed No. 2013 of July 1974 of Registering Authority Phillaur.

R. K. PATHANIA,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 3-3-1975

Seal:

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OI THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INMOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 3rd March 1975

Ref No AP-715-74.—Whereas, I, R. K. Pathania, being the competent authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, naving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- acd bearing No.

Agricultural lands measuring 70 kanals situated at Bastiseikh (Jullundur).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen persent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability
  of the transferor to pay tax under the said Act
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section tron (1) of section 269D of the Act, said to the following persons namely:—

 Shri Bakhtawar Singh S/o Satnam Singh, Village Vadala Madhowala, Teh. Jullundur.
 (Transferor)  1. S/Shri Nairnder Singh S/o Jagat Singh, R/o Sidhwan, Teh, Nakodar, and

> Shri Avtar Singh S/o Karnail Singh, S/o Bhagat Ram, R/o Bath, Teh. Phillaur.

(Transferec)

\*(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the lands.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—I he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. lands measuring 10 kanals situated at Bastiseikh (Jullundur) as mentioned in Registration deed No. 4831 of July, 1975 of Registering Authority Jullundur.

> R. K. PATHANIA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur

Date: 3-3-1975

## FORM I.T.N.S .--

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd March 1975

Ref. No. AP-716-74.—Whereas, I, R. K. Pathania, being the competent authority under section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Agricultural land measuring 25 Kanal 5 marlas situated at Vill. Gatti Pirbax, Teh. Nakodar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Shahkot in July 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Hari Singh S/o Shri Sunder Singh, Village Gatti Pirbax Teh. Nakodar.

(Transferor)

(2) Shri Piara Singh & others, Ss/o Banta Singh S/o Buta Singh, R/o Gatti Pirbax, Teh. Nakodar, Distt. Jullundur.

(Transferees)

- (3) As per S. No. 2.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the lands.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri, land measuring 25 kanals 5 marlas situated at Village Gatti Pirbax, Teh. Nakodar as mentioned in Registration Deed No. 846 of July 1975 of Registering Authority Shakot.

R. K. PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 3-3-1975

## FORM I.T.N.S .---

## (3) As per S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Any person interested in the lands.

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Jullundur, the 3rd March 1975

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AP-717-74.--Whereas, I, R. K. Pathania. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (here inafter referred to us the said Act),

> EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agriculture land at Vill. Dehriwala measuring 42 kanals 17 marks situated at Vill. Dehriwala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908
(16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Bhunga in July 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

Agriculture land at Village Dehriwala measuring 42 kanals 17 marlas as mentioned in Registration Deed No. 627 of July 1974 of registering authority Bhunga.

Now, therefore, in pursuance of 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely .-

R. K. PATHANIA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur

(1) Shri Narinder Singh S/o Shri Buta Singh, Village Dehriwala, Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Mohinder Singh S/o Kishan Singh, 2. Satpalsingh S/o Jagjitsingh, and 3. Gurpritsingh S/o Gurcharansingh, R/o Jhaji Pind, Teh. and Distt. Hoshlarpur.

Date: 3-3-1975

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd March 1975

Ref. No. AP-718-74.—Whereas, I, R. K. Pathania, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961); (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural lands measuring 42 kanals and 17 marlas,

situated at Vill. Dehriwala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhunga in July 1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- the facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby

initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

7--6GI/75

 Shri Sukhvinder Singh S/o Shri Buta Singh, Village Dehriwala, Teh. Hoshiarpur, S/Shri

(Transferor)

- 1. S/Shri Sat Pal Singh S/o Jagjit Singh,
   2. Mohinder Singh and Gurprit Singh,
   Ss/o Shri Gurcharan Singh,
   Village Jhaji Pind, Teh, Hoshiarpur.
- (3) As per S. No. 2. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the lands.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. lands measuring 42 kanals and 17 marlas situated at Village Dehriwala as mentioned in Registration deed No. 628 of Registering Authority Bhung: Teh. Hoshiarpur.

R. K. PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 3-3-1975

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd March 1975

Ref. No. AP-719-74,—Whereas, 1, R. K. Pathania, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Dehriwala, Tch. Hoshiarpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhunga in July 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Narinder Singh S/o Buta Singh, and
   Smt. Jagdish Kaur Wd/o Buta Singh,
   S/o Gurdial Singh,
   R/o Village Dehriwala, Teh. Hoshlarpur.
   (Transferor)
- Shri Manjit Singh S/o Kishan Singh,
   Shri Santosh Singh S/o Jagjit Singh, and
   Gurpal Singh S/o Gurcharn Singh,
   R/o Jhaji Pind, Teh. Hoshiarpur.

  (Transferee)

(3) As per S. No. 2, (Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the lands.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands situated at Village Dehriwala measuring 31 kanals and 1 marla as mentioned in Registration Deed of Registering Authority Bhunga at S. No. 629 of July 1974.

R. K. PTHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 3-3-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd March 1975

Ref. No. AP-720-74.--Whereas, I, R. K. Pathania, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Village Dehriwala, Teh. Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhunga in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wedlih-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Jagvir Kaur and Dharmvir Kaur, Through Shri Sukhvinder Singh S/o But Singh Mukhtare Am R/o Village Dehriwala Teh. Hoshiarpur.

(Transferor)

Shri Manjit Singh S/o Kishan Singh,
 Santokh Singh S/o Jagjit Singh, and
 Gurpal Singh S/o Gurcharan Singh,
 Village Jhaji Pind, Teh. Hoshiarpur.

(3) As per S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the lands.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agriculture lands measuring 46 kanals 13 marlas situated at Village Dehriwala as mentioned in Registration Deed No. 630 of July 1974 of Registering Authority Bhunga.

R. K. PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 3-3-1975

Seal:

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd March 1975

Ref. No. AP-721-74.—Whereas, I, R. K. Pathania, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land situated at Sutheri Khurd (Hoshiarpur) (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in July 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) said Act or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely.

 Shri Banta Singh S/o Sub. Jawala Singh, R/o Mohalla Gurunanak Nagar, Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Singh S/o Shri Hukam Singh, Moh. Bahadurpur, Hoshiarpur,

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the lands.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lands measuring 7 kanal 14½ marlas situated in Suthari Khurd as mentioned in Registration Deed No. 1764 of July 1974 of Registering Authority, Hoshiarpur.

R. K. PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur

Date: 3-3-1975

(3) As per S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(4) Any person interested in the lands.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd March 1975

Ref. No. AP-722-74.—Whereas, I, R. K. Pathania, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agi. Land situated at Suthehri Khurd (Hoshiarpur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Hoshiarpur in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) racilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in purscance of section 269C of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

(1) Shrì Banta Singh S/o Sub. Jawala Singh, R/o Guru Nanak Nagar, Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Kumari Manjit Sandhu,
D/o Dalip Singh S/o Gopal Singh,
Village Suthehri Khurd, Teh. Hoshiarpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettee.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agriculture land measuring 7 kanals and 144 marlas situated at Suthehri Khurd (Hoshiarpur) as mentioned in Registration Deed No. 1741 of July 1974 of Registering Authority Hoshiarpur.

R. K. PATIIANIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 3-3-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullundur, the 3rd March 1975

Ref. No. AP-723-74.—Whereas, I. Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Agr Lands, situated at Village Ajram, Tch. Ho hiarpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hoshiarpur in July 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) S/Shri Mohan Singh and Dewa Singh, Sa/o Ujagar Singh, Village Ucha, P.S. Adampur, Tehsil Hoshiarpur. (Transferor)

 Shri Karnail Singh S/o Amar Singh,
 Shri Amrik Singh S/o Karnail Singh, and
 Smt. Surinder Kaur W/o Karnail Singh, Village Erhsiwal, Teh. Hoshlarpur.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the lands. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used as are defined in Chapter herein XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agriculture lands measuring 39 kanals 19 marlas situated in Village Ajram as mentioned in registration Deed No. 1901 of July 1974 of Registering Authority, Hoshiarpur.

## RAVINDER KUMAR

Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jullundur

Date: 3-3-1975

## FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd March 1975

Ref. No AP-725-74.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in July 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Surjit Singh S/o Rattan Singh, Village Chhawni Kalan, Teh. Hoshiarpur. (Transferor) (2) Shri Jagat Singh S/o Atma Singh, R/o Binpalkey Nangal, P.S. Kartarpur, Teh, Jullundur.

(Trausferee)

- (3) As per S. No. 2.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the lands.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Agriculture lands measuring 62 kanals 2 marias situated in Village Chhawni, Teh. Hoshiarpur as mentioned in Registration Deed No. 1912 of July 1974 of Registering Authority Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 3-3-1975

<del>\_\_\_\_</del>\_\_\_

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd March 1975

Ref. No. AP-724-74.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

## Hoshiarpur in July 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in purscance of section 269°C, of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

(1) Shri Thakar Ram S/o Mangat Ram, Village Chak Gujran, Teh. Hoshiarpur.

(Transferor)

Date: 3-3-1975

Seal:

(2) S/Shrl Gurdev Singh, Baldev Singh and Sukhdev Singh Ss/o Mohan Singh, V. P.O. Nasrala, Teh. Hoshlarpur.

(Transferce):

- (3) As per S. No. 2.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the lands.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agriculture lands measuring 58 kanals situated at Village Chak Gujran, Teh. Hoshiarpur as mentioned in Registration Deed No. 1986 of July 1974 of Registering Authority Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELFI, 1975